



Scan to Read in  
Details

## मोदी बोले-‘वी विल डू इट’

→ 50 मिनट के भाषण में 19 बार दोहराया संकल्प

→ कहा- विकसित भारत तक न थकूंगा, न रुकूंगा

एजेंसी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपने संबोधन में विकसित भारत के लक्ष्य को लेकर सरकार की प्रतिबद्धता दोहराई। करीब 50 मिनट के भाषण के दौरान उन्होंने ‘वी विल डू इट’ यानी ‘हम यह करके दिखाएंगे’ का जिक्र 19 बार किया। उन्होंने कहा कि भारत को विकसित राष्ट्र बनाने का लक्ष्य केवल सरकार का नहीं, बल्कि देश के 140 करोड़ लोगों का संकल्प है।

प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत की विकास यात्रा अभी लंबी है और देश को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाने के लिए लगातार मेहनत करनी होगी। उन्होंने अपने राजनीतिक सफर का उल्लेख करते हुए कहा कि बतौर मुख्यमंत्री और प्रधानमंत्री उनके सार्वजनिक जीवन के 25 वर्ष पूरे हो चुके हैं। इस दौरान उन्होंने कई चुनौतियों का सामना करने और देश के विकास के लिए लगातार काम करने की बात कही। मोदी ने कहा कि विकसित भारत का लक्ष्य हासिल होने तक वह न थकेगा और न रुकेगा। उन्होंने देशवासियों से भी विकास की इस यात्रा में सक्रिय भागीदारी निभाने का आह्वान किया। पीएम मोदी ने कहा, ‘जब गुजरात पहुंचा तो प्रशासनिक व्यवस्था का ज्यादा ज्ञान नहीं था, तब सिर्फ जनशक्ति का भरोसा था। इसी विश्वास को मैंने अपना सामर्थ्य बनाया। मैंने जनता को साथ लेकर निर्णय लिए, नीतियां बनाई और इन्हें लागू किया। यही मंत्र- वी विल डू इट...जब जनता साथ हो तो परिणाम ही आते हैं। गुजरात ने करके दिखाया। पीएम मोदी ने कहा, ‘तब विकराल चुनौतियां मुंह बाए खड़ी थीं। देश



### 25 साल का राजनीतिक सफर

प्रधानमंत्री मोदी ने अपने 25 वर्षों के प्रशासनिक सफर को देश की सेवा से जोड़ते हुए कहा कि इस अवधि में उन्हें अलग-अलग जिम्मेदारियां निभाने का अवसर मिला। मुख्यमंत्री के रूप में गुजरात की जिम्मेदारी संभालने के बाद वह देश के प्रधानमंत्री बने। उन्होंने कहा कि भारत आज दुनिया में तेजी से आगे बढ़ रहा है और आने वाले वर्षों में देश की क्षमता को और बढ़ाने के लिए बड़े स्तर पर प्रयास किए जाने की जरूरत है। मोदी ने अपने संबोधन में आत्मनिर्भर भारत, आर्थिक विकास, तकनीक और देश के युवाओं की भूमिका पर भी जोर दिया। प्रधानमंत्री का संदेश स्पष्ट था कि विकसित भारत का लक्ष्य लंबी अवधि का संकल्प है और इसे हासिल करने के लिए सरकार लगातार काम करती रहेगी।

का हर नागरिक नया रास्ता खोज रहा था। भारत की इकोनॉमी को लेकर दुनिया कहने लगी थी- इट्स अ गॉन केस। तब कोई ज्योत दिखती नहीं थी। निराशा में डूबे देश को आशा

### ये समय आराम का नहीं है: मोदी

पीएम ने कहा, ‘हर चीज में भारत सिरमौर है। टेक्नोलॉजी, खेल, उद्योग में भारत का तिरंगा लहराए। आज पूरे विश्व में भारत के पायलट की चर्चा है। एक दिन वो भी आएगा, जब दुनिया मेड इन इंडिया प्लेन की चर्चा करेगी। ये लक्ष्य तभी पूरे होंगे, जब हम दूरदर्शी नीतियां बनाएं और परिश्रम की पराकाष्ठा करें। उन्होंने कहा, ‘ अब ये समय आराम का नहीं है। ये समय सोच के साथ आगे बढ़ने का है। देश के लिए खुद को खपा देने का है। आज भारत में जितने युवा हैं, वो इतिहास से मिला बहुत बड़ा मौका है, जिसे हमें गंवाना नहीं है।

### कई विभीषिकाएं, लेकिन कभी साहस नहीं टूटा: मोदी

पीएम ने कहा, ‘हमारे दिल की हर धड़कन में क्या एक ही संकल्प नहीं गुंजना चाहिए कि हमें प्राचीन भारत के गौरव को पुनर्जीवित करना है। कभी भारत विश्व की अर्थव्यवस्था का नेतृत्व करता था। समय का चक्र बदला, गुलामी का कालखंड आया, भारत को लूटकर तबाह कर दिया गया। जो भारत दुनिया को दिशा दिखाता था, उसके पुस्तकालय जला दिए गए। छोटे-छोटे संकट विकराल होने लगे। अकाल, कई विभीषिकाएं, लेकिन तब भी मां भारती की संतानों का साहस नहीं टूटा।

की जरूरत थी। उन्होंने कहा, मैंने वही काम किया, जो मुझे आता था। मैंने लोगों के साथ मिलकर काम किया और उनके साथ मिलकर फिर दोहराया- वी विल डू इट।

## राहुल-प्रियंका गांधी के खिलाफ एफआईआर

आकाशवाणी भवन में बिना अनुमति प्रवेश का आरोप, कांग्रेस ने मोदी-शाह पर साधा निशाना

एजेंसी

नई दिल्ली। नई दिल्ली में कांग्रेस नेता राहुल गांधी और प्रियंका गांधी वाड्रा समेत कई विपक्षी नेताओं के खिलाफ दिल्ली पुलिस ने एफआईआर दर्ज की है। यह कार्रवाई मंगलवार को चुनाव आयोग के खिलाफ हुए विपक्षी प्रदर्शन के दौरान आकाशवाणी भवन परिसर में कथित तौर पर बिना अनुमति प्रवेश करने के मामले में की गई। दरअसल, विपक्षी सांसदों ने मंगलवार को संसद से निर्वाचन आयोग के कार्यालय तक मार्च निकालने की कोशिश की थी। विपक्षी दलों की ओर से मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे और मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण को लेकर विरोध किया जा रहा था। पुलिस ने मार्च को निर्वाचन आयोग के कार्यालय से पहले रोक दिया, जिसके बाद राहुल गांधी, प्रियंका गांधी और अन्य विपक्षी नेता आकाशवाणी भवन परिसर में धरने पर बैठ गए। एफआईआर के बाद कांग्रेस ने केंद्र सरकार और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी तथा गृह मंत्री अमित शाह पर तीखा हमला बोला। कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने आरोप



### 250 से ज्यादा लोग हिरासत में लिए गए थे

मंगलवार को हुए प्रदर्शन के दौरान दिल्ली पुलिस ने 250 से अधिक लोगों को हिरासत में लिया था, जिनमें करीब 50 विपक्षी सांसद भी शामिल थे। विपक्षी सांसद चुनाव आयोग के सामने अपनी मांग रखने और मुख्य चुनाव आयुक्त के इस्तीफे की मांग को लेकर मार्च कर रहे थे। अब राहुल गांधी, प्रियंका गांधी और अन्य नेताओं के खिलाफ दर्ज एफआईआर के बाद यह मामला राजनीतिक रूप से और गरमा गया है।

लागाया कि राहुल गांधी लंबे समय से कथित ‘वोट चोरी’ के मुद्दे को उठा रहे हैं और एसआईआर के खिलाफ आवाज उठा रहे हैं।

### करीब आठ घंटे चला धरना

आकाशवाणी भवन परिसर में राहुल गांधी, प्रियंका गांधी समेत विपक्षी नेताओं का धरना करीब आठ घंटे तक चला। पुलिस के मुताबिक प्रदर्शनकारियों से परिसर खाली करने के लिए कहा गया, लेकिन वे वहां से नहीं हटे। बाद में पुलिस ने कार्रवाई करते हुए राहुल गांधी, प्रियंका गांधी और अन्य नेताओं को हिरासत में लिया। बाद में उन्हें रिहा कर दिया गया। पुलिस के अनुसार, एफआईआर एक शिकायत के आधार पर दर्ज की गई है, जिसमें आरोप लगाया गया कि राहुल गांधी, प्रियंका गांधी, उनके समर्थक और उनके साथ मौजूद अन्य सांसद बिना अनुमति आकाशवाणी भवन परिसर में दाखिल हुए थे। मामले की आगे जांच की जा रही है।

## यूपी में बड़ा पुलिस फेरबदल: 11 जिलों के कप्तान बदले, 20 आईपीएस अधिकारियों का तबादला

अमृत उजाला संवाददाता

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में कानून-व्यवस्था और पुलिस प्रशासन को लेकर शासन ने बड़ा फेरबदल किया है। प्रदेश में 20 आईपीएस अधिकारियों के तबादले किए गए हैं। इनमें 11 जिलों के पुलिस कप्तान यानी एसपी भी शामिल हैं। तबादला सूची जारी होने के बाद कई जिलों में नए पुलिस अधिकारियों की तैनाती की गई है। इस फेरबदल में रविना त्यागी

### 20 आईपीएस अधिकारियों को मिली नई जिम्मेदारी

तबादला सूची में कुल 20 आईपीएस अधिकारियों को नई तैनाती दी गई है। इनमें कुछ अधिकारियों को जिलों की कमान सौंपी गई है, जबकि अन्य अधिकारियों की भी नई जिम्मेदारियां तय की गई हैं। इस बदलाव के बाद पुलिस विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों से उम्मीद की जा रही है कि वे अपने नए कार्यक्षेत्र में जल्द जिम्मेदारी संभालकर पुलिस व्यवस्था को गति देंगे।



को बाराबंकी का नया पुलिस अधीक्षक बनाया गया है। वहीं यशवीर सिंह को जौनपुर की

जिम्मेदारी सौंपी गई है। दोनों अधिकारियों के सामने अपने-अपने जिलों में कानून-व्यवस्था को मजबूत बनाए रखने और अपराध पर प्रभावी नियंत्रण की चुनौती होगी। सरकार की ओर से किए गए इस बदलाव में अलग-अलग जिलों में तैनात पुलिस कप्तानों को हटाकर नए अधिकारियों को जिम्मेदारी दी गई है। माना जा रहा है कि शासन ने प्रशासनिक जरूरतों, कानून-व्यवस्था की स्थिति और पुलिसिंग को और प्रभावी बनाने के उद्देश्य से यह फेरबदल किया है।

### बाराबंकी और जौनपुर पर खास नजर

बाराबंकी में रविना त्यागी की नियुक्ति को महत्वपूर्ण माना जा रहा है। राजधानी लखनऊ से सटे इस जिले में कानून-व्यवस्था के साथ-साथ यातायात, अपराध नियंत्रण और ग्रामीण क्षेत्रों में पुलिसिंग बड़ी प्राथमिकताएं रहेंगी। वहीं जौनपुर में यशवीर सिंह को पुलिस कप्तान की जिम्मेदारी दी गई है। जिले में कानून-व्यवस्था बनाए रखना, अपराध पर अंकुश लगाना और पुलिस-जनता के बीच बेहतर समन्वय स्थापित करना नए एसपी की प्रमुख जिम्मेदारियों में शामिल होगा। कुल मिलाकर, 20 आईपीएस अधिकारियों के तबादले और 11 जिलों में पुलिस कप्तानों के बदलाव को उत्तर प्रदेश पुलिस में बड़ा प्रशासनिक फेरबदल माना जा रहा है। नए अधिकारियों की तैनाती के बाद आने वाले दिनों में इसका असर जिलों की कानून-व्यवस्था और पुलिसिंग पर दिखाई दे सकता है।

Redefining luxury and growth.

PLOTTED DEVELOPMENT • COMMERCIAL SPACE • INTEGRATED TOWNSHIP

Unveiling soon in BANARAS

9580456295

ADJACENT TO A 4-LANE HIGHWAY

LIVELY COMMUNITY BENEFITS

Greater capital appreciation & more

Graphics are for illustration only. Actual design may vary.\*



## खुला मंच

# सुरक्षा शिविर से छात्रावास तक: बस्तर में बदलती तस्वीर



साक्षी चतुर्वेदी

छत्तीसगढ़ के बस्तर की कहानी लंबे समय तक संघर्ष, नक्सलवाद और सुरक्षा चुनौतियों के संदर्भ में कही जाती रही है। लेकिन आज इसी बस्तर में बदलाव की एक ऐसी तस्वीर सामने आ रही है, जो यह बताती है कि शांति केवल सुरक्षा का नाम नहीं, बल्कि शिक्षा, अवसर और बेहतर भविष्य का रास्ता भी है। नारायणपुर जिले के भाटपाल में जिस भवन में कुछ समय पहले तक सुरक्षा बलों का शिविर हुआ करता था, आज उसी परिसर में करीब 150 आदिवासी विद्यार्थी रहकर अपनी पढ़ाई कर रहे हैं। कभी सुरक्षा अभियानों का हिस्सा रहा यह स्थान अब शिक्षा और उम्मीद का केंद्र बन चुका है। अगस्त से इस परिसर में आसपास के नक्सल प्रभावित और दूरस्थ क्षेत्रों के विद्यार्थी रह रहे हैं। इनमें अबूझमाड़ जैसे दुर्गम क्षेत्र से आने वाले छात्र भी शामिल हैं। यह वही क्षेत्र है, जहाँ लंबे समय तक नक्सलवाद के कारण सामान्य जीवन और शिक्षा तक पहुँच बेहद कठिन रही है। भाटपाल परिसर में अनुसूचित जनजाति के बालकों के लिए दो छात्रावास संचालित किए जा रहे हैं, एक प्री-मैट्रिक और दूसरा पोस्ट-मैट्रिक स्तर का। प्री-मैट्रिक छात्रावास में कक्षा 6 से 10 तक के विद्यार्थी रहते हैं, जबकि पोस्ट-मैट्रिक छात्रावास कक्षा 11 और 12 के विद्यार्थियों के लिए है। प्री-मैट्रिक छात्रावास की स्वीकृत क्षमता 100 विद्यार्थियों की है, लेकिन वर्तमान में यहाँ 114 विद्यार्थी रह रहे हैं। वहीं, पोस्ट-मैट्रिक छात्रावास में 50 विद्यार्थियों की क्षमता के मुकाबले फिलहाल 39 विद्यार्थी रह रहे हैं। यह संख्या केवल विद्यार्थियों की उपस्थिति नहीं बताती, बल्कि यह भी दर्शाती है कि दूरस्थ क्षेत्रों के आदिवासी परिवार अपने बच्चों की शिक्षा को लेकर कितने उत्साहित हैं, जब उन्हें सुरक्षित और सुविधाजनक आवास की सुविधा उपलब्ध होती है। नारायणपुर कलेक्टर नम्रता जैन के अनुसार, इस पहल का उद्देश्य दूरस्थ और कठिन भौगोलिक क्षेत्रों में रहने वाले बच्चों के सामने आने वाली एक बड़ी चुनौती को दूर करना है- विद्यालय के निकट सुरक्षित आवास की उपलब्धता। भाटपाल में पोस्ट-मैट्रिक छात्रावास की सुविधा उपलब्ध होने से आदिवासी युवाओं के लिए उच्च शिक्षा जारी रखने का रास्ता आसान हुआ है। यह बदलाव केवल एक भवन के उपयोग में परिवर्तन नहीं है। यह उस सोच का परिवर्तन है, जिसमें कभी किसी स्थान की पहचान सुरक्षा शिविर के रूप में होती थी और आज वही स्थान विद्यार्थियों के सपनों को आकार देने वाला परिसर बन गया है। छात्रावासों को मिल रही सकारात्मक प्रतिक्रिया को देखते हुए प्रशासन अब ऐसे और आवासीय केंद्र विकसित करने की दिशा में आगे बढ़ रहा है। अबूझमाड़ के प्रवेश क्षेत्र कुरुषनार में भी ऐसा ही एक प्रयास आकार ले रहा है। कुरुषनार का उदाहरण इस बदलाव को और गहराई से समझने का अवसर देता है। वर्ष 2011 में यहाँ एक आवासीय विद्यालय बनाया गया था। उस समय नक्सलियों की अनुमति के बाद विद्यालय का निर्माण हुआ था और उनकी शर्त थी कि भवन पर कंक्रीट की छत या ऊँची चारदीवारी न बनाई जाए, ताकि सुरक्षा बल वहाँ अपना शिविर स्थापित न कर सकें। समय बदला। क्षेत्र में सुरक्षा की स्थिति बदली और नक्सली प्रभाव कम हुआ। अब इसी क्षेत्र में कुछ वर्ष पहले स्थापित सुरक्षा शिविर को बालिका छात्रावास में परिवर्तित किया जा रहा है। यह छात्रावास जल्द ही तैयार होने की उम्मीद है। बस्तर में हो रहा यह परिवर्तन एक महत्वपूर्ण संदेश देता है; जब किसी क्षेत्र में शांति स्थापित होती है, तो उसका सबसे सुंदर परिणाम बच्चों के भविष्य में दिखाई देता है। जहाँ कभी सुरक्षा बलों की मौजूदगी क्षेत्र की आवश्यकता थी, वहीं आज उसी स्थान पर किताबें, कक्षाएँ और विद्यार्थियों के सपने दिखाई दे रहे हैं। यह बदलाव बताता है कि विकास की सबसे मजबूत नींव शिक्षा है। बस्तर के इन छात्रावासों में रहने वाले बच्चे केवल अपनी पढ़ाई पूरी करने के लिए यहाँ नहीं आए हैं। वे अपने परिवारों, अपने गाँवों और अपने पूरे क्षेत्र के भविष्य की नई कहानी लिखने आए हैं। किसी सुरक्षा शिविर का छात्रावास में बदल जाना शायद प्रशासनिक दृष्टि से एक भवन का पुनः उपयोग हो, लेकिन सामाजिक दृष्टि से यह उससे कहीं बड़ा परिवर्तन है। यह संघर्ष से शांति, भय से विश्वास और असुरक्षा से अवसर की ओर बढ़ते बस्तर की तस्वीर है। और शायद किसी भी क्षेत्र में बदलाव की इससे बेहतर तस्वीर नहीं हो सकती कि जहाँ कभी हथियारों की सुरक्षा की आवश्यकता थी, आज वहाँ बच्चों के भविष्य को सुरक्षित करने की व्यवस्था हो रही है।

# विराट कोहली बोले- प्रेमानंदजी के दर्शन के लिए 5 करोड़ लेने का दावा झूठा

## कहा- श्रद्धा और सम्मान से जाता हूँ आश्रम

अमृत उजाला संवाददाता

**मथुरा।** भारतीय क्रिकेटर विराट कोहली ने प्रेमानंदजी महाराज के आश्रम जाने को लेकर लगाए गए 5 करोड़ लेने के आरोपों को गलत और झूठा बताया है। कोहली ने स्पष्ट किया कि वह किसी आर्थिक लाभ या पैसे के लिए आश्रम नहीं जाते, बल्कि श्रद्धा और सम्मान की वजह से प्रेमानंदजी महाराज के दर्शन करने पहुंचते हैं। दरअसल, फलाहारी महाराज की ओर से कथित तौर पर यह आरोप लगाया गया था कि विराट कोहली प्रेमानंदजी महाराज के दर्शन के लिए 5 करोड़ लेते हैं। इस दावे के सामने आने के बाद सोशल मीडिया पर भी इसे लेकर चर्चा तेज हो गई थी। विराट कोहली ने इन दावों को खारिज करते हुए कहा कि प्रेमानंदजी महाराज के प्रति उनके मन में श्रद्धा और सम्मान है। इसी कारण वह समय-समय पर उनके आश्रम जाते हैं



## आरोपों के बाद सफाई

5 करोड़ से जुड़े दावे के बाद विराट कोहली की ओर से दी गई सफाई में इस बात पर जोर दिया गया कि आश्रम जाने का उद्देश्य श्रद्धा है, कोई आर्थिक सौदा नहीं। उन्होंने ऐसे आरोपों को तथ्यहीन बताया और कहा कि वह सम्मान और आस्था के कारण प्रेमानंदजी महाराज के पास जाते हैं।

## प्रेमानंदजी से पहले भी मिल चुके हैं कोहली

विराट कोहली और उनकी पत्नी अनुष्का शर्मा पहले भी प्रेमानंदजी महाराज के दर्शन के लिए आश्रम जा चुके हैं। दोनों ने वहाँ आध्यात्मिक चर्चा में हिस्सा लिया और महाराज से आशीर्वाद लिया था। कोहली के आश्रम जाने की तस्वीरें और वीडियो कई बार सोशल मीडिया पर सामने आते रहे हैं। इसके बाद उनके प्रशंसकों के बीच भी आध्यात्मिकता को लेकर उनकी रुचि की चर्चा होती रही है।

और उनसे आशीर्वाद लेते हैं। कोहली के अनुसार, आश्रम जाने के पीछे किसी तरह का आर्थिक लेन-देन या व्यक्तिगत लाभ नहीं है। उन्होंने 5 करोड़ लेने की बात को पूरी तरह गलत बताया।

# आजमगढ़ में सपा का जोरदार प्रदर्शन, मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग

अमृत उजाला संवाददाता

**आजमगढ़।** आजमगढ़ में मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग को लेकर समाजवादी पार्टी ने कलेक्ट्रेट परिसर में जोरदार प्रदर्शन किया। प्रदर्शन के दौरान सपा कार्यकर्ताओं ने चुनाव प्रक्रिया और मतदाता सूची से जुड़े मुद्दों को लेकर अपनी नाराजगी जाहिर की। पार्टी नेताओं और कार्यकर्ताओं की मौजूदगी में काफी देर तक नारेबाजी होती रही। प्रदर्शन में सपा के सांसद और जिले के सभी विधायक भी शामिल रहे। इसके अलावा पार्टी के प्रदेश और जिला स्तर के पदाधिकारी भी मौके पर मौजूद रहे। नेताओं ने कहा कि चुनाव प्रक्रिया में पारदर्शिता और मतदाता सूची को लेकर उठ रहे सवालों का समाधान किया जाना चाहिए। सपा नेताओं ने मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग दोहराते हुए चुनाव आयोग की कार्यप्रणाली पर सवाल



उठाए। प्रदर्शनकारियों का कहना था कि लोकतांत्रिक व्यवस्था में निष्पक्ष और पारदर्शी चुनाव प्रक्रिया बेहद जरूरी है। इसी मांग को लेकर पार्टी कार्यकर्ताओं ने कलेक्ट्रेट पर अपनी आवाज बुलंद की। प्रदर्शन को देखते हुए कलेक्ट्रेट परिसर में पुलिस-प्रशासन की

ओर से सुरक्षा व्यवस्था भी की गई। सपा नेताओं और कार्यकर्ताओं ने अपनी मांगों को लेकर आगे भी आंदोलन जारी रखने की बात कही। हालांकि, प्रदर्शन के संबंध में प्रशासन की ओर से विस्तृत प्रतिक्रिया सामने नहीं आई है।

# पीसीएस 2025 बैच के 38 प्रशिक्षु अधिकारियों ने किया फॉरेंसिक साइंस संस्थान का भ्रमण

अमृत उजाला संवाददाता

**लखनऊ।** लखनऊ के सरोजनीनगर स्थित उत्तर प्रदेश स्टेट इंस्टीट्यूट ऑफ फॉरेंसिक साइंस में मंगलवार को प्रांतीय सिविल सेवा (पीसीएस) 2025 बैच के 38 प्रशिक्षणाधीन अधिकारियों ने भ्रमण किया। इस दौरान प्रशिक्षु अधिकारियों ने संस्थान में स्थापित डीएनए लैब और ड्रोन लैब का निरीक्षण किया। अधिकारियों ने फॉरेंसिक विज्ञान में इस्तेमाल होने वाली आधुनिक तकनीकों और उनकी कार्यप्रणाली को करीब से समझा।

संस्थान के संस्थापक निदेशक डॉ. जीके गोस्वामी ने प्रशिक्षु अधिकारियों को संबोधित करते हुए कहा कि फॉरेंसिक विज्ञान के जरिए सच्चाई को वैज्ञानिक तरीके से कानून के सामने लाकर न्याय दिलाने में सहयोग करना संस्थान का मूल उद्देश्य है। उन्होंने कहा कि फील्ड में सिविल सेवा की जिम्मेदारी



चुनौतीपूर्ण होती है और इसके लिए त्याग, समर्पण के साथ विषम परिस्थितियों से निपटने की मानसिक तैयारी भी जरूरी है।

उन्होंने कानून और विज्ञान के समन्वय को फॉरेंसिक विज्ञान की आधारभूत शक्ति बताते हुए नए कानूनों के संदर्भ में न्याय, सत्य और

साक्ष्य के महत्व पर प्रकाश डाला। डॉ. गोस्वामी ने कहा कि साइबर और फॉरेंसिक विज्ञान आज जीवन का अभिन्न हिस्सा बन

चुके हैं। तकनीक पर बढ़ती निर्भरता के कारण व्यक्ति विभिन्न गतिविधियों के दौरान डिजिटल फुटप्रिंट छोड़ता है। उन्होंने प्रशिक्षुओं को मृत्यु कालिक बयान के महत्व की जानकारी देते हुए कहा कि जब किसी पीड़ित की मृत्यु की आशंका हो तो उसका बयान तत्काल दर्ज किया जाना महत्वपूर्ण साक्ष्य बन सकता है। संभव होने पर ऐसे बयान की डिजिटल रिकॉर्डिंग कराने की आवश्यकता पर भी उन्होंने जोर दिया। इस अवसर पर अपर निदेशक संजीव सुमन ने संस्थान की गतिविधियों और कार्यप्रणाली की जानकारी दी। कार्यक्रम में अपर पुलिस अधीक्षक चिरंजीव मुखर्जी, अतुल यादव, पलक अनेजा, सेंथिल शिव सुब्रमण्यम, जनसंपर्क अधिकारी संतोष कुमार तिवारी, आरआई शैलेन्द्र सिंह समेत शैक्षणिक संवर्ग के संकाय मौजूद रहे। प्रशिक्षु अधिकारियों ने संस्थान की प्रयोगशालाओं और फॉरेंसिक कार्यप्रणाली को लेकर जानकारी हासिल की।



# विधानसभा चुनाव में लड़ाई 80-20 की हुई: योगी

## राज्यसभा नामांकन से तस्वीर साफ, अखिलेश के तीसरा उम्मीदवार न उतारने पर कसा तंज

अमृत उजाला संवाददाता

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने राज्यसभा चुनाव को लेकर समाजवादी पार्टी और विपक्ष पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि राज्यसभा चुनाव के लिए नामांकन के बाद राजनीतिक तस्वीर काफी हद तक साफ हो गई है। मुख्यमंत्री ने विधानसभा चुनाव के दौरान सामने आए राजनीतिक समीकरणों का जिक्र करते हुए कहा कि चुनावी लड़ाई अब 80-20 के अनुपात में दिखाई देती है। योगी आदित्यनाथ ने समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव पर भी तंज कसा। उन्होंने कहा कि राज्यसभा चुनाव में सपा की ओर से तीसरा उम्मीदवार मैदान में नहीं उतारा गया। इसे उन्होंने विपक्ष की स्थिति और चुनावी गणित से जोड़कर देखा। राज्यसभा की सीटों के लिए नामांकन प्रक्रिया के दौरान उत्तर प्रदेश



की राजनीति में एक बार फिर सत्तारूढ़ भाजपा और विपक्ष के बीच मुकाबले को लेकर चर्चाएं तेज हो गई हैं। भाजपा की ओर से उम्मीदवारों के नाम घोषित किए जाने के बाद राजनीतिक दलों ने अपनी रणनीति स्पष्ट करनी शुरू कर

दी है। मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि राज्यसभा चुनाव के नामांकन से यह स्पष्ट हो गया है कि किस दल की स्थिति क्या है और किसके पास कितना समर्थन है। उन्होंने विपक्ष की रणनीति पर सवाल उठाते हुए कहा कि अगर

### अखिलेश पर योगी का तंज

मुख्यमंत्री ने अखिलेश यादव पर निशाना साधते हुए कहा कि सपा की ओर से तीसरा उम्मीदवार न उतारने से यह साफ हो गया कि पार्टी के पास चुनाव लड़ने के लिए आवश्यक संख्या बल नहीं है। उन्होंने इसे विपक्ष की कमजोर स्थिति के तौर पर पेश किया। योगी ने कहा कि प्रदेश की राजनीति में भाजपा लगातार मजबूत स्थिति में है और आगामी विधानसभा चुनाव में भी पार्टी बेहतर प्रदर्शन करेगी। उन्होंने सरकार की उपलब्धियों और प्रदेश में हुए विकास कार्यों को जनता के सामने रखने की बात कही।

### 80-20 के बयान पर फिर चर्चा

योगी आदित्यनाथ का 80-20 वाला बयान उत्तर प्रदेश की राजनीति में पहले भी चर्चा का विषय रहा है। इस बार उन्होंने विधानसभा चुनाव के संदर्भ में इसका उल्लेख करते हुए राजनीतिक मुकाबले की तस्वीर पेश की। मुख्यमंत्री के इस बयान के बाद प्रदेश की सियासत में भाजपा और सपा के बीच संभावित चुनावी मुकाबले को लेकर चर्चाएं और तेज हो गई हैं। वहीं विपक्ष की ओर से भी भाजपा सरकार की नीतियों और दावों पर लगातार सवाल उठाए जा रहे हैं। राज्यसभा चुनाव के नामांकन और उम्मीदवारों की स्थिति सामने आने के बाद अब सभी की नजरें आगे की चुनावी रणनीति और विधानसभा चुनाव की तैयारियों पर टिकी हैं।

संख्या बल पर्याप्त था तो तीसरा उम्मीदवार मैदान में क्यों नहीं उतारा गया।

## श्रावस्ती में जनता दर्शन, डीएम अन्नपूर्णा गर्ग ने सुनीं 16 शिकायतें



अमृत उजाला संवाददाता

**श्रावस्ती।** जिलाधिकारी अन्नपूर्णा गर्ग ने कलेक्ट्रेट स्थित अपने कक्ष में जनता दर्शन के दौरान आमजन की समस्याएं सुनीं। इस दौरान जिले के अलग-अलग क्षेत्रों से आए फरियादियों ने अपनी शिकायतें जिलाधिकारी के सामने रखीं। जनता दर्शन में भूमि कब्जा, राशन और पारिवारिक विवाद समेत कुल 16 शिकायतें प्राप्त हुईं। जिलाधिकारी ने सभी फरियादियों की समस्याओं को गंभीरता से सुना और संबंधित अधिकारियों को तत्काल कार्रवाई के निर्देश दिए। कई मामलों में उन्होंने मौके से ही संबंधित अधिकारियों को फोन कर शिकायतों के त्वरित और प्रभावी

समाधान के लिए कहा। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि शिकायतों के निस्तारण में अनावश्यक देरी न हो। डीएम अन्नपूर्णा गर्ग ने कहा कि प्रत्येक शिकायत का समाधान समयबद्ध, पारदर्शी और संतुष्टिपरक तरीके से किया जाना चाहिए। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि फरियादियों की समस्याओं को गंभीरता से लेते हुए नियमानुसार कार्रवाई सुनिश्चित करें। जिलाधिकारी ने स्पष्ट किया कि जनसामान्य की शिकायतों के निस्तारण में किसी भी प्रकार की शिथिलता बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को शिकायतों पर प्रभावी कार्रवाई कर फरियादियों को राहत पहुंचाने के निर्देश दिए।

## लखनऊ में बाढ़ से हालात गंभीर

### पॉश कॉलोनियों में घुसा गोमती का पानी, परिवारों ने छोड़े घर

अमृत उजाला संवाददाता

**लखनऊ।** लखनऊ में गोमती नदी के बढ़ते जलस्तर से बाढ़ की स्थिति लगातार गंभीर होती जा रही है। अब इसका असर शहर की पॉश और हाई-प्रोफाइल आवासीय कॉलोनियों तक पहुंच गया है। गोमती नगर विस्तार की कई कॉलोनियां पानी से घिर गई हैं और बड़ी संख्या में परिवार सुरक्षित स्थानों की ओर जाने को मजबूर हैं। गोमती नगर विस्तार के सेक्टर-7 स्थित आक्सैला रिसॉर्ट को कॉलोनी में भी बाढ़ का पानी पहुंच गया है। कॉलोनी की सड़कें और खुले इलाके जलमग्न होने से आवागमन प्रभावित है। हालात को देखते हुए कॉलोनी का मुख्य गेट बंद कर दिया गया है और सुरक्षा के मद्देनजर बाहरी लोगों के प्रवेश पर भी रोक लगा दी गई है। जलभराव बढ़ने के बाद कॉलोनी के अधिकांश परिवार अपने घर छोड़कर सुरक्षित स्थानों पर चले गए हैं। कई परिवारों ने आसपास के होटलों में कमरे लेकर अस्थायी रूप से रहने की व्यवस्था की है। करोड़ों रुपये की संपत्तियों वाली इस कॉलोनी में बाढ़ का पानी पहुंचने से लोगों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। लखनऊ के फैजुल्लागंज और आसपास के इलाकों में भी बाढ़ का असर बेहद गंभीर है। कई कॉलोनियों में लोग घरों में फंसे हुए हैं। कुछ स्थानों पर पानी कई फीट तक भर गया है और लोगों को बाहर निकलने के लिए नाव



### भोजन और पीने के पानी का संकट

बाढ़ से प्रभावित कई इलाकों में अब भोजन, दूध और पीने के पानी की समस्या भी सामने आने लगी है। पानी भरने के कारण कई दुकानें बंद हैं और लोगों के घरों में रखा राशन खत्म हो रहा है। प्रशासन की ओर से सूखा राशन और भोजन उपलब्ध कराने की कोशिश की जा रही है, लेकिन कुछ इलाकों में लोगों का आरोप है कि राहत सामग्री और नावें जरूरतमंदों तक पर्याप्त तेजी से नहीं पहुंच पा रही हैं। गोमती का जलस्तर बढ़ने के साथ लखनऊ के कई नए इलाकों में पानी पहुंचने से लोगों की चिंता बढ़ गई है। प्रशासन की प्राथमिकता फिलहाल लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाने, भोजन-पानी उपलब्ध कराने और बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में राहत एवं बचाव कार्य तेज करने की है।

या ट्रैक्टर का सहारा लेना पड़ रहा है। प्रशासन की ओर से प्रभावित क्षेत्रों में नावों के जरिए राहत सामग्री पहुंचाने और लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाने का अभियान चलाया जा

रहा है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने भी बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों का जायजा लेकर अधिकारियों को राहत एवं बचाव कार्य तेज करने के निर्देश दिए हैं।

## प्रधानमंत्री 25 वर्ष के सेवाकाल को समर्पित है 'सेवा संकल्प अभियान': प्रभारी मंत्री

अमृत उजाला संवाददाता

**श्रावस्ती।** जनपद के प्रभारी मंत्री/मंत्री, कारागार विभाग, उ.प्र. दारा सिंह चौहान जी एक दिवसीय भ्रमण पर श्रावस्ती पहुंचे। जनपद पहुंचने पर प्रभारी मंत्री जी का निरीक्षण भवन भिनगा में मुख्य विकास अधिकारी शाहिद अहमद एवं पार्टी पदाधिकारियों ने अगुवानी कर स्वागत किया तथा प्रभारी मंत्री जी ने गार्ड की सलामी ली। तत्पश्चात् प्रभारी मंत्री जी जूनियर हाईस्कूल भिनगा पहुंचे तथा 'सेवा संकल्प अभियान' के अन्तर्गत आयोजित 'सेवा ज्योति कलश यात्रा' में प्रतिभाग किया। इस दौरान अध्यक्ष जिला पंचायत दहन मिश्र, विधायक श्रावस्ती रामफेरन पाण्डेय, जिला प्रभारी त्रयम्बर नाथ तिवारी, जिलाध्यक्ष डॉ.



मिश्रीलाल वर्मा, मुख्य विकास अधिकारी शाहिद अहमद एवं अन्य जनप्रतिनिधियों प्रभारी मंत्री का स्वागत किया। कार्यक्रम का शुभारम्भ

वदे मातरम् से किया गया। कार्यक्रम के दौरान प्रधानमंत्री के जनपद वाराणसी से एवं मुख्यमंत्री के लखनऊ से आयोजित वचुंअल

कार्यक्रम का सजीव प्रसारण किया गया। जिसे जनप्रतिनिधियों, अधिकारियों एवं आम जनमानस द्वारा देखा व सुना गया। इसके उपरान्त प्रभारी मंत्री ने 'सेवा ज्योति कलश यात्रा' का द्वीप प्रज्वलन कर शुभारम्भ किया। यह विशाल यात्रा जूनियर हाईस्कूल भिनगा से होते हुए ईदगाह तिराहा तक निकाली गई। जिसमें प्रभारी मंत्री एवं अन्य जनप्रतिनिधियों ने सेवा ज्योति अपने हाथों में लेकर प्रतिभाग किया। कार्यक्रम का समापन राष्ट्रगान से किया गया। इसके उपरान्त प्रभारी मंत्री कलेक्ट्रेट स्थित तथागत हाल में आयोजित 'श्रमिक सम्मान स्वास्थ्य शिविर एवं दिव्यांगजनों के सहायक उपकरण वितरण' कार्यक्रम में सम्मिलित हुए। कार्यक्रम का शुभारम्भ मा0 प्रभारी मंत्री व अन्य जनप्रतिनिधियों ने द्वीप

प्रज्वलित कर किया। इस दौरान सद्भावना संस्था के अध्यक्ष योगेंद्र मणि त्रिपाठी एवं श्रमिक क्रमशः सतगुरु, संजय कुमार, अर्जुन लाल, परमेश्वर प्रसाद, जगराम, सेवक राम, शेष राम, प्रिंशु प्रजापति आदि ने प्रभारी मंत्री को फूल की डलिया भेंट की। प्रभारी मंत्री ने सभी श्रमिकों पर पुष्प वर्षा करते हुए सराहना भी किया। कार्यक्रम में प्रभारी मंत्री जी ने 09 बधिर बच्चों को श्रवण किट, 12 दृष्टि बाधित लाभार्थियों को सुगम्य केन किट, 15 लाभार्थियों को मोटराइज्ड ट्राईसाईकिल एवं 70 लाभार्थियों को हस्तचलित ट्राईसाईकिल प्रदान किया। श्रम विभाग द्वारा संचालित 'मातृत्व शिशु एवं बालिका मदद योजना' के तहत 05 लाभार्थियों को धनराशि स्वीकृति प्रमाण पत्र प्रदान किया।



# ट्रक में पीछे से घुसी अटिंगा, तीन युवकों की मौत, तीन गंभीर

अमृत उजाला संवाददाता

सुल्तानपुर। उत्तर प्रदेश के सुल्तानपुर में बुधवार तड़के दर्दनाक सड़क हादसा हो गया। पूर्वांचल एक्सप्रेसवे पर तेज रफ्तार अटिंगा कार आगे चल रहे ट्रक के पिछले हिस्से में जा घुसी। हादसा इतना भीषण था कि कार बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई। दुर्घटना में कार सवार तीन युवकों की मौत हो गई, जबकि तीन अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसा धनपतगंज थाना क्षेत्र में सुखबड़ेरी के पास माइलस्टोन 97.5 के करीब सुबह करीब सवा पांच बजे हुआ। अटिंगा में छह लोग सवार थे और सभी लखनऊ से देवरिया की ओर जा रहे थे। टक्कर के बाद कार में सवार लोग अंदर फंस गए। हादसे में देवरिया निवासी नित्या प्रजापति (22), इरफान अंसारी (20) और अनिकेत (24) की मौत हो गई। वहीं देवरिया निवासी आनंद यादव (23), राजू (22) और पश्चिम बंगाल के बीरभूम निवासी जयंतो शर्मा (30) गंभीर रूप से घायल हुए हैं। सूचना मिलने पर यूपीडी के सुरक्षाकर्मी और पुलिस टीम मौके पर पहुंची। कार बुरी तरह क्षतिग्रस्त होने के कारण घायलों और मृतकों को बाहर निकालने में काफी



## लखनऊ में टेनिस खेलकर लौट रहे थे

घायल जयंतो शर्मा के मुताबिक, कार में सवार सभी लोग टेनिस खिलाड़ी हैं और लखनऊ में खेलकर देवरिया लौट रहे थे। यात्रा के दौरान कार में सवार अधिकांश लोग सो रहे थे। इसी दौरान कार ट्रक के पीछे जा घुसी। पुलिस ने हादसे की जांच शुरू कर दी है। दुर्घटना के बाद ट्रक चालक मौके से फरार बताया जा रहा है। पुलिस उसकी तलाश कर रही है और हादसे के कारणों का भी पता लगाया जा रहा है।

मशकत करनी पड़ी। कार का गेट तोड़कर सभी को बाहर निकाला गया। घायलों को पहले कुमारागंज अस्पताल ले जाया गया।

हालत गंभीर होने पर उन्हें अयोध्या मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया गया। पुलिस ने मृतकों के शव पोस्टमार्टम के लिए भेज दिए हैं।

# सुप्रीम कोर्ट में तीन नए जजों ने ली शपथ

ईश्वर के नाम पर किया पदभार ग्रहण, 37 जजों में अब सिर्फ 3 महिलाएं

एजेंसी

नई दिल्ली। नई दिल्ली में सुप्रीम कोर्ट के तीन नए न्यायाधीशों ने पद की शपथ ली। शपथ ग्रहण समारोह में तीनों जजों ने ईश्वर के नाम पर शपथ लेकर अपने पद की जिम्मेदारी संभाली। इसके साथ ही सुप्रीम कोर्ट में न्यायाधीशों की कुल संख्या बढ़कर 37 हो गई है। नए न्यायाधीशों के शपथ लेने के बाद सुप्रीम कोर्ट में कुल 37 न्यायाधीश हो गए हैं। हालांकि, न्यायपालिका में महिलाओं की भागीदारी अभी भी कम है। 37 जजों में महज तीन महिला न्यायाधीश हैं। महिला जजों की संख्या को लेकर समय-समय पर न्यायपालिका में लैंगिक प्रतिनिधित्व बढ़ाने की आवश्यकता पर चर्चा होती रही है। सुप्रीम कोर्ट में महिलाओं की संख्या बढ़ाने को न्यायिक व्यवस्था में अधिक संतुलित प्रतिनिधित्व की दिशा में महत्वपूर्ण माना जाता है। तीन नए न्यायाधीशों की नियुक्ति से सुप्रीम



कोर्ट में लंबित मामलों की सुनवाई और विभिन्न संवैधानिक एवं महत्वपूर्ण मामलों के निपटारे में न्यायालय की क्षमता बढ़ने की उम्मीद है। शपथ ग्रहण समारोह में सुप्रीम कोर्ट के वरिष्ठ न्यायाधीश और अन्य अधिकारी मौजूद रहे। नए न्यायाधीशों ने संविधान और

कानून के प्रति अपनी जिम्मेदारियों का निर्वहन करने की शपथ ली। सुप्रीम कोर्ट में न्यायाधीशों की नियुक्ति के साथ ही अब न्यायालय के सामने लंबित मामलों के तेजी से निपटारे और न्यायिक प्रक्रिया को अधिक प्रभावी बनाने की चुनौती भी बनी हुई है।

# राजपाल यादव को सुप्रीम कोर्ट से राहत नहीं: 13 अक्टूबर तक जमा करने होंगे 2 करोड़

एजेंसी

नई दिल्ली। चेक बाउंस मामले में अभिनेता राजपाल यादव को सुप्रीम कोर्ट से फिलहाल राहत नहीं मिली है। सुप्रीम कोर्ट ने उन्हें शिकायतकर्ता को देय रकम में से 2 करोड़ 13 अक्टूबर तक जमा करने का निर्देश दिया है। अदालत ने स्पष्ट किया कि रकम जमा होने के बाद ही हाईकोर्ट के आदेश के खिलाफ उनकी याचिका पर आगे विचार किया जाएगा। सुनवाई के दौरान राजपाल यादव खुद अदालत में मौजूद थे। उन्होंने 1.15 करोड़ का डिमांड ड्राफ्ट कोर्ट में पेश किया। बाकी 85 लाख उनकी संपत्ति के संभावित खरीदार की ओर

से जमा किए जाने हैं। अदालत ने इस भुगतान व्यवस्था को रिकॉर्ड पर लिया है। सुप्रीम कोर्ट ने राजपाल यादव के अब तक के रवैये पर नाराजगी जताते हुए कहा कि उन्हें पहले भी कई मौके दिए गए, लेकिन भुगतान को लेकर स्थिति संतोषजनक नहीं रही। कोर्ट ने चेतावनी दी कि जरूरत पड़ने पर उनकी सजा बढ़ाने पर भी विचार किया जा सकता है। अदालत का कहना था कि बार-बार समय देने का उद्देश्य शिकायतकर्ता को उसकी रकम दिलाना है।



कोर्ट ने यह भी स्पष्ट किया कि कानूनी प्रक्रिया का इस्तेमाल भुगतान में लगातार देरी के लिए नहीं किया जाना चाहिए। सुनवाई के दौरान

की इस टिप्पणी से सुनवाई का माहौल कुछ हल्का हुआ। यह मामला एक फिल्म के निर्माण के लिए लिए गए कथित कर्ज और बाद में

राजपाल यादव ने अपनी फिल्म 'अता पता लापता' से हुए आर्थिक नुकसान का जिक्र किया। उन्होंने बताया कि फिल्म के कारण उन्हें भारी आर्थिक नुकसान उठाना पड़ा। इस पर मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत ने अभिनेता की फिल्म के नाम को मौजूदा स्थिति से जोड़ते हुए टिप्पणी की कि जिस तरह उनकी फिल्म का नाम 'अता पता लापता' है, उसी तरह उनका पैसा भी अता-पता लापता हो गया है। अदालत

जारी किए गए चेक के बाउंस होने से जुड़ा है। शिकायतकर्ता के अनुसार, राजपाल यादव की ओर से दिए गए कई चेक भुगतान के समय बाउंस हो गए थे, जिसके बाद मामला अदालत तक पहुंचा। दिल्ली हाईकोर्ट ने इससे पहले चेक बाउंस से जुड़े मामलों में राजपाल यादव को तीन महीने की सजा सुनाई थी। अब अभिनेता ने इस आदेश के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट का रुख किया है। सुप्रीम कोर्ट के ताजा आदेश के बाद अब राजपाल यादव को तय समयसीमा में 2 करोड़ की रकम जमा करनी होगी। इसके बाद ही उनकी याचिका पर आगे सुनवाई और राहत की संभावनाओं पर अदालत विचार करेगी।

## मनोरंजन

# अमिताभ ने खुद खोला राज, 'तूफान' में किया था माधुरी के गाने का कॉमिक वर्जन



मुंबई। अभिनेत्री माधुरी दीक्षित का गाना 'एक-दो तीन' आज भी लोगों के दिलों में बसा हुआ है। मगर कम ही लोग जानते हैं कि इस गाने के डांस स्टेप को अमिताभ बच्चन अपनी फिल्म में दोहरा चुके हैं। हाल ही में अमिताभ बच्चन ने टीवी शो 'कौन बनेगा करोड़पति सीजन 18' के एक खास एपिसोड में खुद इस बात का खुलासा किया। टीवी शो 'कौन बनेगा करोड़पति सीजन 18' के खास एपिसोड में माधुरी दीक्षित ने शिरकत की थी। शो के दौरान हुई हल्की-फुल्की बातचीत में अमिताभ ने माधुरी दीक्षित से कहा, 'एक बार हमसे बड़ी गुस्ताखी हो गई थी। एक फिल्म में हमने आपके गाने '1, 2, 3' के स्टेप को पीछे हटकर किया था।' वहीं, माधुरी दीक्षित ने भी इस मौके पर अभिनेता के मजे लेते हुए उस क्लिप को दिखाने के लिए कहा, जिसके बाद शो की टीम ने पुरानी फुटेज दिखाकर अमिताभ को चौंका दिया। इस क्लिप में अमिताभ बच्चन 1989 की फिल्म 'तूफान' में 'एक दो तीन' का कॉमिक वर्जन करते नजर आ रहे हैं। क्लिप में अभिनेता कमर घुमाकर माधुरी दीक्षित के मशहूर डांस स्टेप्स को करने की कोशिश करते हैं। पुरानी फुटेज देखकर अमिताभ हंस पड़े और उन्होंने मजाक में कहा, 'अरे बाप रे, कहां-कहां से ये लोग निकालकर ला रहे हैं। किसी अच्छे गाने को खराब किस तरह से किया जाता है, वह इस क्लिप को देखकर पता चल रहा है। बता दें कि माधुरी दीक्षित का आइकॉनिक गाना 'एक दो तीन' साल 1988 की सुपरहिट फिल्म 'तेजाब' में फिल्माया गया था, जिसने उन्हें रातों-रात बॉलीवुड का सुपरस्टार बना दिया था। 'एक दो तीन' की सफलता ने उनके करियर को नई ऊंचाइयां दीं और उन्हें इंडस्ट्री की शीर्ष अभिनेत्रियों में ला खड़ा किया। सरोज खान द्वारा सिखाए गए इस गाने के डांस स्टेप्स और माधुरी के एनर्जेटिक अंदाज ने दर्शकों का दिल जीत लिया था। 'एक दो तीन' गाने में माधुरी दीक्षित ने में मोहिनी की भूमिका निभाई थी। अलका याग्निक और अमित कुमार द्वारा गाया गया और लक्ष्मीकांत-प्यारेलाल द्वारा रचित यह गाना हिंदी सिनेमा के सबसे आइकॉनिक डांस नंबर में से एक बन गया। साल 2018 में आई फिल्म 'बागी 2' में इस गाने का रीक्रिएटेड वर्जन आया था, जिसमें जैकलीन फर्नांडिस ने परफॉर्म किया था।

# फ्रांस के कगन और जापान के केन्सो को केमिस्ट्री का नोबेल पुरस्कार

नई दिल्ली। 2026 के केमिस्ट्री नोबेल पुरस्कार का ऐलान कर दिया गया है। रॉयल स्वीडिश एकेडमी ऑफ साइंसेज ने फ्रांस के हेनरी बी. कगन और जापान के केन्सो सोआई को 'असिमेट्रिक ऑर्गेनिक सिंथेसिस इन नॉन-लीनियर इफेक्ट्स और ऑटो-कैटालिसिस की खोज' के लिए पुरस्कार दिया। उन्होंने रसायन विज्ञान में 'मिरर इमेज' (दर्पण-प्रतिबिंब) चुनने की प्रक्रिया पर काम किया। दोनों वैज्ञानिकों ने रसायन विज्ञान की करीब 100 साल पुरानी गुत्थी सुलझाई है। उन्होंने बताया कि किसी रासायनिक प्रक्रिया में एक-दूसरे की मिरर इमेज जैसे दो अणुओं में से सिर्फ एक ही रूप कैसे बनाया जा सकता है।